|  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Ontreal, friday, october 31, 186 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | like mine, the joy and pride of your heart, to be taken from you-and taken for ever:' 'Yet can I feel for your lot,' resumed the |  |  |  |
|  | to priest; ; do you feel for his and mine; be bas <br> but a sldort time, dear friend, to prepare for a  <br> long account; and I to assic: him in his duty. -  |  |  |  |
|  | Lememe |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | (eater |  |  |  |
|  | This took Pierce unprepared, and went like aknife through bis heart; lie shreked in agony,and cast himself on his rustling straw. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | Sel |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | when I am gone, you will be kind to this poor lad, for he was kind to me.' A feeble moan came in answer from the fa- <br> A reeble moan came in answer from the fa- |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | $\begin{aligned} & \text { 'Don't spake in that manuer-don't, Pierce, } \\ & \text { or my throat 'll burst - he put his hand to his } \\ & \text { neck, and bis face became red, swollen, and dis- } \end{aligned}$ |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| ment |  |  |  |  |
|  | assist him in putting bis wishes into effect. 'The curse of Scotland on you,' said this man, turning to Andy, 'what brought you here, |  |  |  |
|  | or how did you come here? - for he had not re- cognised, in the person that helped to bring in Croboore, the same be had ordered from the |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | 隹 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | roo Dublinto Kikeng. A tadinn, about |  |  |  |

